recruitment of the persons belonging to the SC and ST, to the various categories of cabin crew in the Indian Airlines; and

(b) if so, what are the yearwise details in this regard from 1980 to 1988?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI SHIVRAJ PATIL): (a) Yes, Sir.

(b) The details of reserved vacancies carried forward in Indian Airlines in respect of Cabin Crew from the year 1980 upto 1988, are as follows:

Year	Cabin Crew			
	Air Hostess		Flight Purser*	
	SC	ST	SC	ST
1980	2	4	7	2
1981	2	8	7	2
1982	2	4	6	4
1983	4	6	7	3
1984	4	6	7	3
1985	3	4	7	4
1986	6	7	7	5
1987	12	11	7	5
1988	17	14	7	5

*Only one SC vacancy lapsed in 1981.

Flights cancelled/delayed by Indian Airlines

41. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) what is the year-wise percentage of the flights cancelled and delayed, separately, of the total flights of the Indian Airlines from 1985-88; and

(b) whether any improvement has been made in the quality of food served by the Indian Airlines in 1988 on its domestic flights; if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI SHIVRAJ PATIL): (a) The year-wise percentage of Indian Airlines flights delayed and cancelled during 1985-88 are as follows:—

Year	%age of total flights delayed	%age of total flights cancelled
1985	22.96	1.27
1986	23.07	1.70
1987	23.64	1.94
1988	34.38	3.26

(b) Yes, Sir. It is the constant endeavour of Indian Airlines to improve the quality of food served. The food is uplifted from reputed caterers, flight kitchens and also from more than one caterer to induce competition. In the recent past, Indian Airlines has maintained a rotation of their menus to ensure that fresh food is served. In 1988, Indian Airlines conducted a 'passenger Opinion Survey' to seek preferences for various food and beverage items and it was observed that what Indian Airlines was already serving was popular with the travelling public.

भटनी से वाराणसी तथा वाराणसी से इलाहाबाद की छोटी रेल लाइन को बड़ी रेल लाइन में परिवर्तित किया जाना

42. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि.

(क) भटनी से वाराणसी तथा वाराणसी से इलाहाबाद की छोटी रेल लाइन को बडी रेल लाइन में परिवर्तित करने मे क्या कठिनाई है; और

(ख) क्या इस संबंध में कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया): (क) और (ख) भटनी-वाराणसी मीटर लाइन का बड़ी लाइन में आमान परिवर्तन एक अनुमोदित परियोजना है और यह कार्य संसाधनों की उपलब्धता के अनुरूप प्रगति पर है।

वाराणसी-इलाहाबाद मीटर लाइन की बड़ी लाइन में आमान परिवर्तन करने के लिए 1975 में सर्वेक्षण किया गया था और 1982 में इसको अद्यतन किया गया था। इस परियोजना को वित्तीय दृष्टि से अलाभप्रद पाया गया है। इसलिए, इस समय इस खण्ड को आमान परिवर्तन शुरू करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

कुम्भ मेले के लिए विशेष रेलगाड़ियां

43. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 13 जनवरी, 1989 से 8 फरवरी, 1989 तक कुम्भ मेले के अवसर पर कितने यात्री विभिन्न रेलगाड़ियो से इलाहाबाद गये और वहां से कितने यात्री वापस आये; और

(ख) इस अवधि के दौरान कितनी मेला-स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई गईं?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया): (क) 13.1.1989 से 8.2.1989 तक कुम्भ मेले को सेवित करने वाली विभिन्न गाड़ियों द्वारा इलाहाबाद और इसके समीपवर्ती स्टेशनों से/तक दोनों ओर से लगभग 15 लाख यात्रियों ने यात्रा की।

(ख) 632

रेलवे स्टेशनों का विकास

44. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इलाहाबाद, मुरादाबाद, मेरठ, गोरखपुर, काठ-गोदाम, इलाहाबाद सिटी, आगरा फोर्ट, लखनऊ जंक्शन (उत्तर रेलवे) और लखनऊ जंक्शन (पूर्वोत्तर रेलवे) रेलवे स्टेशनों को आदर्श-स्टेशनों के रूप में विकसित करने के लिये अब तक क्या कार्यवाही की गयी है; और

(ख) इन स्टेशनों को आदर्श रेलवे स्टेशनों के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव का ब्यौरा क्या है और इसे कब तब कार्यान्वित किये जाने की सम्भावना है?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया): (क) इलाहाबाद, मुरादाबाद, मेरठ सिटी, गोरखपुर, इलाहाबाद सिटी, काठगोदाम, आगरा फोर्ट, लखनऊ जंक्शन (उत्तर रेलवे) और लखनऊ जंक्शन (पूर्वोत्तर रेलवे) को आदर्श स्टेशनों के रूप मे विकसित किये जाने के लिये चुना गया है। इन स्टेशनों पर निर्माण कार्य पहले ही शुरू किया जा चुका है और कार्य विभिन्न चरणों में प्रगति पर है।

(ख) इन स्टेशनों के ढांचे में परिवर्तन करने के लिए इस शताब्दी के अन्त तक प्रत्याशित यातायात के आधार पर, आवश्यकता के अनुसार, निम्नलिखित सुविधाओं की वयवस्था करना शामिल है:—

(1) पीने के पानी की पर्याप्त सुविधाएं
(2) प्रतीक्षालाय/प्रतीक्षा कक्ष.
(3) ऊपरी पैदल पुलों की पर्याप्त संख्या.
(4) शौचालय सुविधाएं.
(5) बुकिंग एवं आरक्षण सुविधाएं.
(6) विश्राम कक्ष सुविधाएं.
(7) अतिरिक्त प्लेटफार्म और प्लेटफार्म सायवान
(8) क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन.
(9) रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था.
(10) परिचलन और परिसर क्षेत्र में सुधार करना.
(11) स्टेशन भवनों के ढांचे मे यथा-आवश्यक परिवर्तन करना।

इन सभी आदर्श स्टेशनो पर निर्माण-कार्य उत्तरोत्तर रूप से अठवीं योजना के दौरान पूरा हो जाने की संभावना है।

राऊरकेला में केन्द्रीय विद्यालय को बंद किये जाने का प्रस्ताव

45. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय**: क्या मानव संसाधन विकास मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार उड़ीसा में राऊरकेला केन्द्रीय विद्यालय को बंद करने पर विचार कर रही है; और